agada section of South Eatern Railway. The estimated loss suffered by the Railway amounted to Rs. 17,50,000/-.

(c) and (d) The accident inquiry committee concluded that the accident occurred due to track defect and excessive speed of the train, for which PWI/Construction and Driver of the train have been held responsible. Action under Discipline and Appeal rules has been taken against them.

विज्ञान और प्रौद्योगिकी के माध्यम से रोजगार का सृजन

388. **श्री अजीत जोगी:** क्या **प्रधान मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार ने विज्ञान और प्रौद्योगिकी के माध्यम से बड़े पैमाने पर रोजगार के अवसर सृजित करने की कोई योजना तैयार की है;

(ख) यदि हां, तो रोजगार के स्वरूप समेत तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) गत वर्ष के दौरान इस योजना के अंतर्गत विभिन्न राज्य सरकारों को कितनी-कितनी धनराशि आवंटित की गई है और उसके अंतर्गत कितने लोगों को रोजगार मिला; और

(घ) वर्ष 1996-97 के लिए इस योजना के अंतर्गत क्या लक्ष्य निर्धारित किया गया है?

प्रधान मंत्री कार्यालय में राज्य मंत्री और परमाणु ऊर्जा तथा अंतरिक्ष विभाग में राज्य मंत्री विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री भुवनेश चतुर्वेदी): (क) से (घ) विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग के पास स्वरोजगार सहित उन जीवन निर्वाह योग्य रोजगारों जिन्हें विज्ञान और प्रौद्योगिकी अंतरायण के जरिए पैदा किया जा सकता है को प्रदर्शित करने के लिए एक कार्यक्रम है। यह कार्यक्रम प्रशिक्षण संस्थाओं तथा गैर-सरकारी संगठनों के जरिए चलाया जाता है। उन्हें निधियां सीधे उपलब्ध करायी जाती हैं। 1994-95 के दौरान, इस कार्यक्रम के तहत लगभग 10,000 व्यक्ति लाभान्वित हुए। वर्ष 1996-97 का लक्ष्य भी वर्ष के लिए वार्षिक योजना आवंटन के अनुसार उसी क्रम का होगा।

Kashmir Issue

389. **SHRI RAHASBIHARI BARIK:**
SHRI SARDA MOHANTY:
Will the **PRIME MINISTER** be pleased to state:

(a) whether Government have taken any steps to settle Kashmir issue;

(b) if so, the stand taken by Government thereon;

(c) the reaction of Government of Pakistan thereto; and

(d) the next course of action proposed to be taken by Government?

THE MINISTER OF STATE IN THE PRIME MINISTER'S OFFICE (SHRI BHUVNESH CHATURVEDI): (a) to (d) The aim of the Government is to ensure that complete peace and normalcy and the democratic and representative institutions are restored in the State of Jammu and Kashmir at the earliest. The Government is keeping a close watch and a number of steps have been taken to create conditions conducive to this objective. These include; sustained and targetted operations to contain the activities of militants and reduce the fear of the gun; stepping up the pace of development and economic activities in the State to create additional employment opportunities for the youth and motivating the people to move towards their normal life and activities; reactivation of the civil administration and restoring its morale and normal activities; efforts to strengthen the confidence of the people in the enlisting their cooperation with the administration; reactivation of the political elements in the State; and encouragement to the people to strengthen the peace process through other confidence building measures, including increase transparency, release of detenues, etc.

Government has also been holding consultations with leaders of the various political parties and groups at the national and the State levels. In November, 1995, the Prime Minister also made a

Statement which *inter-alia* included the commitment of Government to preserve the special Constitutional status of Jammu and Kashmir, its willingness to strengthen the autonomy of the State within the Constitution, keeping in view the aspirations of the people of the entire State, restoration of the nomenclatures of "Wazir-e-Azam" and "Sadar-e-Riyasat" and the plans of the Government to formulate additional financial and development benefits for the State.

Pakistan has continued with the propaganda and disinformation campaign and sponsorship of cross-border terrorism in Jammu and Kashmir. Concerted action is being taken at various levels to counter and expose the designs and attempts of Pakistan.

The various measurs taken by the Government have had a definite positive impact on the situation and the overall atmosphere and mood of the people, and after considering all aspects of the situation, the Government had in November, 1995 recommended to the Election Commission to initiate steps for condcuting elections in the State. However, the Election Commission did not agree with the recommendation. A public interest litigation has been filed against the decision of the Commission and the matter is now sub-judice. The Government has continued to make intensive efforts to further consolidate the situation towards restoration of democratic and representative institutions in the State of Jammu and Kashmir at the earliest. In this process, the Government has held futher discussions with the Election Commission and with the leaders of various political parties and groups from the State. The Government shall continue to follow this approach and pursue its efforts towards restoration of peace and normalcy in the State and there shall be no let up in our efforts in this regard.

एयर इंडिया और इंडियन एयललाइन्स का काम-काज सुधारने हेतु कदम

390. **श्री सत्यप्रकाश मालवीय:** क्या नागर विमानन और पर्यटन मंत्री यह बताने की की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार द्वारा देश की दोनों विमान सेवाओं के काम काज में सुधार लाने के लिए पिछले पांच छह वर्षों के दौरान कोई कार्यवाई की गई है;

(ख) यदि हां, तो क्या कार्यवाही की गई है और उसके क्या परिणाम रहे हैं;

(ग) क्या एयर इंडिया और इंडियन एयरलाइन्स के अध्यक्ष ने दोनों विमान सेवाओं के काम-काज में सुधार लाने में अपनी असमर्थता व्यक्त की है; यदि हां, तो इसका मूल कारण क्या है; और

(घ) सरकार दोनों विमान सेवाओं के काम-काज में सुधार लाने के लिए समय रहते ही क्या प्रभावी कदम उठाने का विचार कर रही है और कब से?

नागर विमानन और पर्यटन मंत्री (श्री गुलाम नबी आजाद): (क), (ख) और (घ) सरकार एयर इंडिया और इंडियन एयर लाइन्स के कार्यकरण में सुधार लाने के लिए लगातार कदम उठाती रही है, जिससे हवाई परिवहन उद्योग में बढ़ती हुई होड़ में इन एयरलाइनों का बेहतर कार्यकरण सुनिश्चित किया जा सके। इन प्रयासों में विभिन्न प्रकार के उपाय सम्मिलित हैं—जिनमें अन्तर्राष्ट्रीय विमानन अवसरों का विस्तार एयरलाइनों की सार्वजनिक लिमिटेड कम्पनियों के रूप में पुनः संरचना, और दोनों एयरलाइनों के समेकित कार्यकरण के लिए किये गये प्रयास शामिल हैं। इन प्रयासों से प्राप्त होने वाले परिणामों की मात्रा को 5-6 वर्षों की लम्बी अवधि में आंकना तो संभव नहीं होगा परन्तु, यह कहा जा सकता है कि एयर इंडिया और इंडियनएयरलाइन्स के अपने उत्पाद और छवि के स्तरोन्यन के प्रयास काफी हद तक सफल हुए हैं और कड़ी प्रतिस्पर्धा के बावजूद दोनों एयरलाइनों विमान परिवहन उद्योग में अपनी अपनी स्थिति बराबर बरकरार बनाए हुए हैं।

(ग) एयर इंडिया और इंडियन एयरलाइन्स के अध्यक्ष द्वारा व्यक्त विचार उनके अपने व्यक्तिगत विचार हैं।